चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 14.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2.5.....

'देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं की उन्नति जरूरी : सांसद दुग्गल'

एच.ए.यू. में महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेदकर की भूमिका विषय पर वैबिनार में विशेषज्ञों ने रखे विचार

वैबिनार के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि एवं मौजूद अन्य।

हिसार, 13 अप्रैल (पंकेस): डॉ. भीमराव अंबेदकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेदकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वैबिनार को संबोधित कर रही थी।

वैबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. समर सिंह, जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। मुख्यातिथि ने कहा कि डॉ. अंबेदकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे। इसलिए उनका कहना था कि बच्चों के दिमाग में ये बात डालिए कि महानता उनकी नियति है और महानता केवल संघर्ष और त्याग से ही प्राप्त हो सकती है। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेदकर की संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान निर्माताओं में अहम भूमिका थी। संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की वकील कुमारी अक्षरा महला ने डॉ. अंबेदकर द्वारा महिला उत्थान के लिए बनाई गई नीतियों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। वैबिनार के संयोजक सचिव पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि वैबिनार में लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार द्वारा किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 14.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-6.....

देश के विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद

महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका पर हुआ वेबिनार

भास्कर न्यूज़. हिसार

डॉ. भीमराव आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता, तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थीं।

वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान निर्माताओं में अहम भूमिका थी। संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया है। इस अवसर पर एचएयू के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, वेबिनार के संयोजक सचिव पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह, कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर चेयर के चेयरमैन डॉ. राजवीर सिंह मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 15.5.2022 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-3.....

महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : दुग्गल

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में महिला सशक्तीकरण में डॉ. आंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार में रखे विशेषज्ञों ने विचार

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। डॉ. भीमराव आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। यह बात सिरसा लोकसभा क्षेत्र की भाजपा सांसद सुनीता दुग्गल ने कही।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तीकरण में डॉ. भीमराव आंबेडकर की भूमिका था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. समर सिंह ने की, जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी, जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया। इस अवसर पर एडवोकेट कुमारी अक्षरा महला, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह, डॉ. रवि गुप्ता, डॉ. सीमा परमार, डॉ. राजवीर सिंह आदि भी शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सच कहूँ.....

दिनांक 15.4.2021 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरुरी : दुग्गल

सच कहूं/संदीप सिंहमार

हिसार। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता।

यह बात सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरु लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर, की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि थीं। मुख्य अतिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे। इसलिए उनका कहना था कि बच्चों के दिमाग में ये बात डालिए कि महानता उनकी नियति है और महानता केवल संघर्ष और त्याग से ही प्राप्त हो सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........जगमार्ग........

दिनांक 15.4.21 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

महिला सशक्तिकरण में अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार आज

हिसार, (जगमार्ग न्यूज): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में 13 अप्रैल को वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रो. समर सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यक्रम में सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल मुख्यातिथि जबकि भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	**13.04.2021**	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद सुनीता दुग्गल

आज समाज नेटवर्क

हिसार। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता।

उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर(सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। मुख्यातिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे।

महिलाओं को हक दिलाना चाहते थे डॉ. अंबेडकर : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। उनका मानना था कि शिक्षा महिलाओं के लिए भी उतनी ही जरूरी है जितनी की पुरुषों के लिए। यदि आपको लिखना-पढ़ना आता है, तो समाज में आपका उद्धार संभव है।

सभी को दिलाया बराबर का हक

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान निमार्ताओं में अहम भूमिका थी। संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14 में यह प्रावधान है कि किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। आजादी मिलने के साथ ही महिलाओं की स्थिति में सुधार शुरू हुआ। आजाद भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में उन्होंने महिला सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद सुनीता दुग्गल

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित

एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर(सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। मुख्यातिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था।

महिलाओं को हक दिलाना चाहते थे डॉ. अंबेडकर : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी।

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार में रखे विशेषज्ञों ने विचार

सभी को दिलाया बराबर का हक : प्रोफेसर सुषमा यादव

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान निर्माताओं में अहम भूमिका थी। संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पलपल न्यूज	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरीः सुनीता दुग्गल

पल पल न्यूजः हिसार, 13 अप्रैल। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की

जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। मुख्यातिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे। इसलिए उनका कहना था कि बच्चों के दिमाग में ये बात डालिए कि महानता उनकी नियति है और महानता केवल संघर्ष और त्याग से ही प्राप्त हो सकती है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। उनका मानना था कि शिक्षा महिलाओं के लिए भी उतनी ही जरूरी है जितनी की पुरूषों के लिए। यदि आपको लिखना-पढ़ना आता है, तो समाज में आपका उद्धार संभव है। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की वकील कुमारी अक्षरा महला ने डॉ.अंबेडकर द्वारा महिला उत्थान के लिए बनाई गई नीतियों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। वेबिनार के संयोजक सचिव पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि वेबिनार में लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार द्वारा किया गया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर चेयर के चैयरमैन डॉ. राजवीर सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाइम्स	**13.04.2021**	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद सुनीता दुग्गल

हिसार, (**नित्य शक्ति टाइम्स**) : डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। मुख्यातिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे। इसलिए उनका कहना था कि बच्चों के दिमाग में ये बात डालिए कि महानता उनकी नियति है और महानता केवल संघर्ष और त्याग से ही प्राप्त हो सकती है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ विश्वास था कि म[illegible]ं व उन्नति तभी संभव हो[illegible] उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। उनका मानना था कि शिक्षा महिलाओं के लिए भी उतनी ही जरूरी है जितनी की पुरूषों के लिए। यदि आपको लिखना-पढ़ना आता है, तो समाज में आपका उद्धार संभव है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार द्वारा किया गया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर चेयर के चैयरमैन डॉ. राजवीर सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सुनीता दुग्गल

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार में रखे विशेषज्ञों ने विचार

टुडे न्यूज | हिसार

डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर(सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। मुख्यातिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। उनका मानना था कि शिक्षा महिलाओं के लिए भी उतनी ही जरूरी है जितनी की पुरूषों के लिए। यदि आपको लिखना-पढना आता है, तो समाज में आपका उद्धार संभव है।

वेबिनार के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि एवं मौजूद अन्य।

सभी को दिलाया बराबर का हक : सुषमा यादव

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान निर्माताओं में अहम भूमिका थी। संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14 में यह प्रावधान है कि किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। आजादी मिलने के साथ ही महिलाओं की स्थिति में सुधार शुरू हुआ। आजाद भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में उन्होंने महिला सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठाए। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर चेयर के चेयरमैन डॉ. राजवीर सिंह ने सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	13.04.2021	--	--

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार आज

पल पल न्यूजः हिसार, 12 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक वेबिनार का आयोजन 13 अप्रैल को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका होगा। उहोंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यक्रम में सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुगल मुख्यातिथि जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपूर(सोनीपत) की कुलपति सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि होंगी। इस वेबिनार का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन अधार	13.04.2021	--	--

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में 13 अप्रैल को वेबिनार का आयोजन किया जाएगा।

पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रो. समर सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यक्रम में सिरसा की सांसद सुनीता दुगल मुख्यातिथि जबकि भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि होंगी। इस वेबिनार का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर प्रात: 11 से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग न्यूज	13.04.2021	--	--

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सुनीता दुग्गल

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार में रखे विशेषज्ञों ने विचार

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन महिलाओं की उस समाज में मौजूदा स्थिति से किया जा सकता है। उनके अनुसार जब तक महिलाओं का समुचित विकास नहीं होता तब तक कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उक्त विचार सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यातिथि कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार को संबोधित कर रही थी। वेबिनार का मुख्य विषय भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर(सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं।

मुख्यातिथि ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का महिलाओं के संगठन में अत्यधिक विश्वास था। उनका कहना था कि यदि महिलाएं एकजुट हो जाएं तो समाज को सुधारने से कोई नहीं रोक सकता। वे हमेशा महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के पक्षधर थे। इसलिए उनका कहना था कि बच्चों के दिमाग में ये बात डालिए कि महानता उनकी नियति है।

वेबिनार के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि एवं मौजूद अन्य।

महिलाओं को हक दिलाना चाहते थे डॉ. अंबेडकर : प्रोफेसर समर सिंह

हिसार। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। उनका मानना था कि शिक्षा महिलाओं के लिए भी उतनी ही जरूरी है जितनी की पुरूषों के लिए। यदि आपको लिखना-पढ़ना आता है, तो समाज में आपका उद्धार संभव है।

सभी को दिलाया बराबर का हक : प्रोफेसर सुषमा यादव

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर (सोनीपत) की कुलपति प्रोफेसर सुषमा यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में संविधान निर्माताओं में अहम भूमिका थी। संविधान में सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14 में यह प्रावधान है कि किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। आजादी मिलने के साथ ही महिलाओं की स्थिति में सुधार शुरू हुआ। आजाद भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में उन्होंने महिला सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठाए। डॉ. अंबेडकर का मानना था कि सही मायने में प्रजातंत्र तब आएगा जब महिलाओं को पैतृक संपत्ति में बराबरी का हिस्सा मिलेगा और उन्हें पुरुषों के समान अधिकार दिए जाएंगे। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की वकील कुमारी अक्षरा महला ने डॉ.अंबेडकर द्वारा महिला उत्थान के लिए बनाई गई नीतियों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने सभी मुख्यातिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। वेबिनार के संयोजक सचिव पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि वेबिनार में लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवि गुप्ता व डॉ. सीमा परमार द्वारा किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	13.04.2021	--	--

dailyhunt

हिन्दुस्थान समाचार
581k Followers

हिसार: महिला सशक्तिकरण में अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार 13 को एचएयू में : बलवान

12 Apr 2021 . 6:05 PM

हिसार, 12 अप्रैल (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में 13 अप्रैल को वेबिनार का आयोजन किया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन साधना	13.04.2021	--	--

एचएयू में महिला सशक्तिकरण में अंबेडकर की भूमिका विषय पर वेबिनार 13 अप्रैल को

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक वेबिनार का आयोजन 13 अप्रैल को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य भारत में महिला सशक्तिकरण में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यक्रम में सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुगल मुख्यातिथि जबकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपूर(सोनीपत) की कुलपति सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि होंगी। इस वेबिनार का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर प्रातः 11 से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
राजनीति	13.04.2021	--	--

हरियाणा हिसार

देश के चहुंमुखी विकास के लिए महिलाओं का समुचित विकास जरूरी : सांसद सुनीता दुग्गल

By Rajniti News Admin